आज दिनांक 16 अप्रैल 2020 को प्रातः 11:30 बजे से अपराह्न 12:30 तक मेरे द्वारा एम० कॉम० (चतुर्थ सेमेस्टर) के विद्यार्थियों की वित्तीय सेवाएं (Financial Services) नामक विषय की एक ऑनलाइन कक्षा ZOOM APP पर ली गयी। उक्त कक्षा का विषय व्यापारी बैंकिंग (Merchant Banking) था।

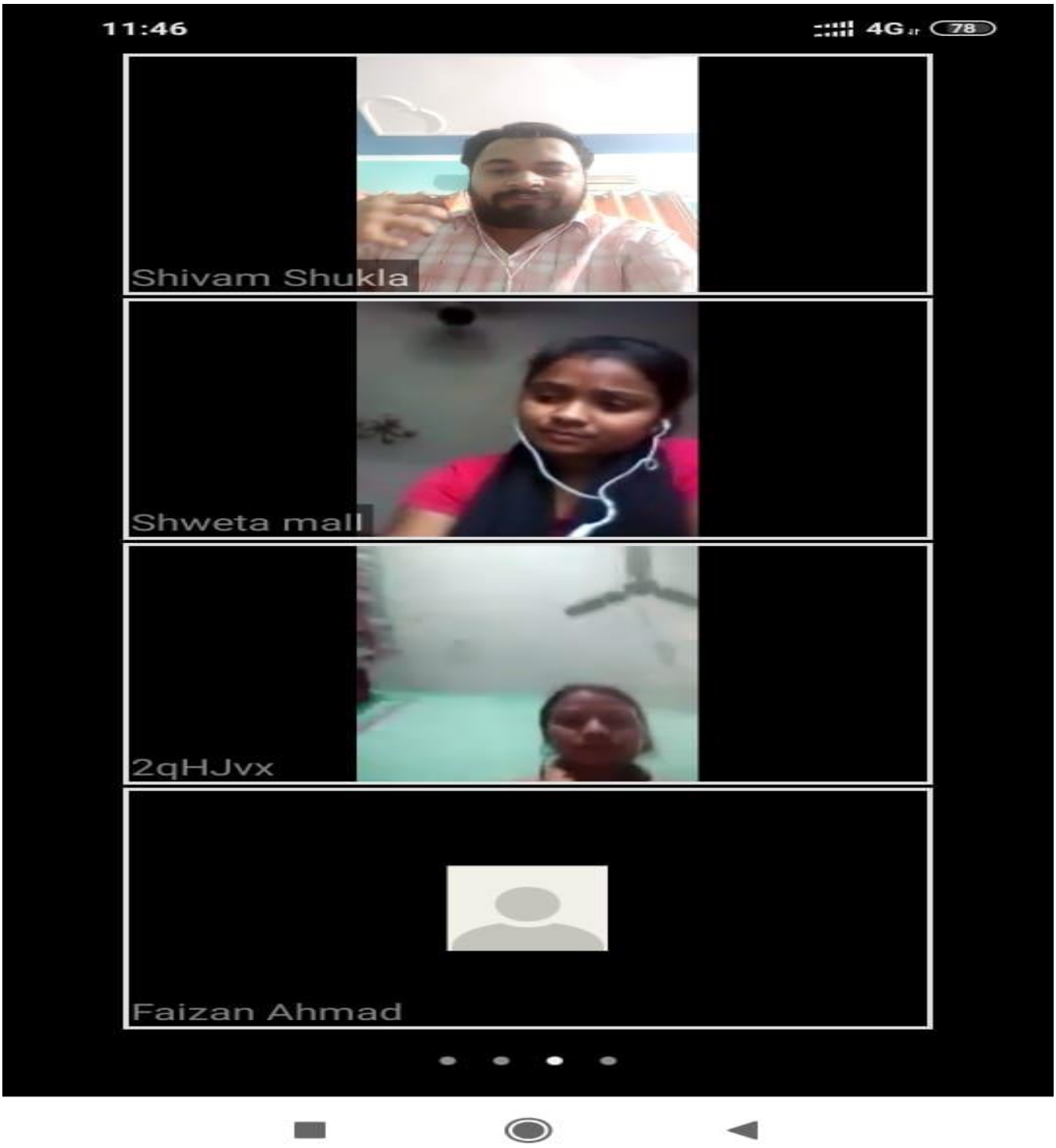

इस ऑनलाइन सत्र में उपस्थित विद्यार्थियों द्वारा किये गए प्रश्न एवं मेरे द्वारा दिये गए उनके उत्तर निम्नलिखित हैं:

1.) सीड पूंजी क्या है?

उत्तर - किसी भी व्यवसाय को बुनियादी तौर पर प्रारम्भ करने के लिए जिस पूंजी की आवश्यकता होती है उसे सीड पूंजी कहते हैं। सामान्य तौर पर व्यवसाय को प्रारम्भ कर रहे उसके संस्थापकों द्वारा ही यह पूंजी व्यवसाय में निवेश की जाती है। सामान्यतः यह राशि कम होती है क्योंकि व्यवसाय इस समय अपने सैद्धांतिक चरण में ही होता है।

2.) वित्तीय इंजीनियरिंग क्या है?

उत्तर- वित्तीय इंजीनियरिंग किसी भी व्यवसाय की वित्तीय समस्याओं को हल करने के लिए गणितीय तकनीकों का उपयोग है। इसके अंतर्गत कम्प्यूटर, विज्ञान, सांख्यिकी, अर्थशास्त्र एवं गणित जैसे विषयों में प्रयोग होने वाले उपकरणों एवं ज्ञान के माध्यम से व्यवसाय के वित्तीय मुद्दों को हल किया जाता है साथ ही नए वित्तीय उत्पाद भी निर्मित किये जाते हैं। एक व्यापारी बैंकर इस क्षेत्र में सर्वाधिक निपुण माना जाता है।

3.) व्यवसायों के विलय एवं अधिग्रहण में एक व्यापारी बैंकर की क्या भूमिका होती है?

उत्तर- एक कुशल व्यापारी बैंकर अपने द्वारा प्रदान की जाने वाली विभिन्न सेवाओं में अपनी क्लाइंट कंपनी को यह सलाह भी देने का काम करता है कि किस व्यवसाय के साथ विलय अथवा अधिग्रहण करना दीर्घकाल में लाभदायक होगा। एक व्यापारी बैंकर इस क्षेत्र का विशेषज्ञ माना जाता है और कई बार कंपनियों को गलत वित्तीय निर्णय लेने से बचाने का काम करता है।

4.) आई० पी० ओ० क्या होता है?

उत्तर- जब भी कोई कंपनी अपनी प्रतिभूतियों को पहली बार आम जनता के द्वारा क्रय हेतु जारी करती है तो उसे आई० पी० ओ० अथवा सार्वजनिक प्रस्ताव कहा जाता है। एक व्यापारी बैंकर के समस्त कार्यों एवं सेवाओं में से यह कार्य सर्वाधिक प्रचलित एवं महत्वपूर्ण है। व्यापारी बैंकर ही कंपनी को इस संबंध में महत्वपूर्ण जानकारियों से अवगत कराता है और इस पूरी गतिविधि का संचालन भी करता है।

5.) भारत में व्यापारी बैंकिंग की शुरुआत कब हुई?
उत्तर- भारत में मर्चेंट बैंकिंग को प्रारम्भ करने का श्रेय नेशनल ग्रन्डलेस बैंक को जाता है जिसने सन 1967 में इनकी शुरुआत की तत्पश्चात सन 1970 में सिटी बैंक और उसके उपरांत सन 1972 में भारतीय स्टेट बैंक ने भी अपनी प्रथक मर्चेंट बैंकिंग उपक्रम की स्थापना की। उसके बाद

आई०सी०आई०सी०आई० बैंक, बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ बरोड़ा एवं अन्य बैंकों ने भी इस क्षेत्र में आ कर कार्य प्रारंभ किया। वर्तमान में भी कई बैंक एवं निजी कंपनियाँ व्यापारी बैंकिंग के क्षेत्र में कार्य कर रही हैं।

सधन्यवाद

शिवम शुक्ला
सहायक आचार्य
वाणिज्य विभाग
सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर (उ०प्र०)